

HINDI PRACTICE SET-2

1. 'मिश्रबन्धु विनोद' के प्रथम तीन भाग किस वर्ष प्रकाशित हुए थे?

- (A) 1910 ई. (B) 1913 ई.
(C) 1918 ई. (D) 1934 ई.

उत्तर: (B) 1913 ई.

व्याख्या: मिश्रबन्धु विनोद के प्रथम तीन भाग 1913 ई. में तथा चौथा भाग 1934 ई. में प्रकाशित हुआ था।

2. आदिकाल को 'बीजवपन काल' नाम किस आचार्य ने दिया?

- (A) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी (B) डॉ. रामकुमार वर्मा
(C) राहुल सांकृत्यायन (D) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर: (A) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

व्याख्या: महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आदिकाल की नवोत्थानकारी पृष्ठभूमि के आधार पर इसे 'बीजवपन काल' कहा।

3. 'परमाल रासो' (आल्हाखण्ड) के रचयिता कौन हैं?

- (A) नरपति नाल्ह (B) चन्दबरदाई
(C) जगनिक (D) नलसिंह

उत्तर: (C) जगनिक

व्याख्या: महोबा के वीर आल्हा और ऊदल की वीरता का वर्णन करने वाले लोक-महाकाव्य 'परमाल रासो' के रचयिता जगनिक हैं।

4. 'वर्ण रत्नाकर' ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?

- (A) दामोदर शर्मा (B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर
(C) रोड़ा कवि (D) विद्यापति

उत्तर: (B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर

व्याख्या: मैथिली गद्य की प्राचीनतम उपलब्ध कृति 'वर्ण रत्नाकर' 14वीं शती में कवि ज्योतिरीश्वर ठाकुर द्वारा रचित शब्दकोश-शैली का गद्य ग्रन्थ है।

5. 'उक्ति-व्यक्ति-प्रकरण' किस प्रकार का ग्रन्थ है?

- (A) व्याकरण ग्रन्थ (B) महाकाव्य
(C) शृंगार ग्रन्थ (D) छन्द ग्रन्थ

उत्तर: (A) व्याकरण ग्रन्थ

व्याख्या: दामोदर शर्मा (12वीं शती) द्वारा रचित 'उक्ति-व्यक्ति-प्रकरण' प्राचीन अवधी/अपभ्रंश का एक व्याकरण ग्रन्थ है।

6. 'रामानुजाचार्य' ने किस दर्शन (सम्प्रदाय) का प्रतिपादन किया?

- (A) द्वैतवाद (B) अद्वैतवाद
(C) विशिष्टाद्वैतवाद (D) शुद्धाद्वैतवाद

उत्तर: (C) विशिष्टाद्वैतवाद

व्याख्या: दक्षिण के प्रसिद्ध वैष्णव आचार्य रामानुजाचार्य ने 'विशिष्टाद्वैतवाद' दर्शन और श्रीसम्प्रदाय का प्रवर्तन किया।

7. कबीरदास की भाषा को 'पंचमेल खिचड़ी' किस विद्वान ने कहा?

- (A) रामचन्द्र शुक्ल (B) श्यामसुन्दर दास
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) रामविलास शर्मा

उत्तर: (B) श्यामसुन्दर दास

व्याख्या: कबीर की भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी के मिश्रण के कारण बाबू श्यामसुन्दर दास ने इसे 'पंचमेल खिचड़ी' कहा।

8. 'चित्रावली' प्रेमाख्यानक काव्य के रचयिता कौन हैं?

- (A) कासिम शाह (B) उसमान
(C) नूर मुहम्मद (D) शेख नबी

उत्तर: (B) उसमान

व्याख्या: गाजीपुर निवासी सूफी कवि उसमान ने 1613 ई. (संवत् 1670) में 'चित्रावली' की रचना की।

9. 'इन्द्रावती' और 'अनुराग बाँसुरी' के रचयिता कौन हैं?

- (A) नूर मुहम्मद (B) शेख निसार
(C) उसमान (D) कासिम शाह

उत्तर: (A) नूर मुहम्मद

व्याख्या: 'इन्द्रावती' (1744 ई.) और 'अनुराग बाँसुरी' (1764 ई.) सूफी कवि नूर मुहम्मद की रचनाएँ हैं।

10. सूरदास की किस रचना में दृष्टकूट पद संकलित हैं?

- (A) सूरसागर (B) सूरसारावली
(C) साहित्य लहरी (D) भ्रमरगीत

उत्तर: (C) साहित्य लहरी

व्याख्या: सूरदास कृत 'साहित्य लहरी' (1550 ई.) 118 दृष्टकूट पदों का संग्रह है जिसमें नायिका-भेद और अलंकार निरूपण है।

11. अष्टछाप के कवियों में सबसे कनिष्ठ (आयु में सबसे छोटे) कवि कौन थे?

- (A) कुम्भनदास (B) सूरदास
(C) नन्ददास (D) कृष्णदास

उत्तर: (C) नन्ददास

व्याख्या: अष्टछाप में सबसे ज्येष्ठ कुम्भनदास तथा सबसे कनिष्ठ कवि नन्ददास थे।

12. 'रासपंचाध्यायी' के अतिरिक्त नन्ददास की कौन-सी कृति भ्रमरगीत परम्परा की है?

- (A) भँवरगीत (B) अनेकार्थ मंजरी
(C) रूपमंजरी (D) सुदामाचरित

उत्तर: (A) भँवरगीत

व्याख्या: नन्ददास की 'भँवरगीत' में निर्गुण-सगुण और ज्ञान-भक्ति के संवाद का दार्शनिक निरूपण हुआ है।

13. तुलसीदास कृत 'वैराग्य सन्दीपनी' में किस छन्द की प्रधानता है?

- (A) दोहा-सोरठा (B) कवित्त-सवैया
(C) छप्पय (D) बरवै

उत्तर: (A) दोहा-सोरठा

व्याख्या: 'वैराग्य सन्दीपनी' में शान्त रस की प्रधानता है और यह दोहा तथा सोरठा छन्दों में निबद्ध है।

14. 'रामचन्द्रिका' के प्रत्येक प्रकाश में छन्द परिवर्तन की तीव्रता के कारण इसे 'छन्दों का अजायबघर' किसने कहा?

- (A) रामचन्द्र शुक्ल (B) डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) नगेन्द्र

उत्तर: (B) डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

व्याख्या: डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी ने अपनी पुस्तक में केशवदास की 'रामचन्द्रिका' को 'छन्दों का अजायबघर' कहा।

15. 'रसराज' ग्रन्थ किस रीति-कवि की सर्वप्रसिद्ध रचना है?

- (A) देव (B) मतिराम
(C) कुलपति मिश्र (D) पद्माकर

उत्तर: (B) मतिराम

व्याख्या: शृंगार रस और नायिका-भेद का अत्यन्त सरस निरूपण करने वाला ग्रन्थ 'रसराज' मतिराम की अमर कृति है।

16. 'भावविलास' और 'भवानीविलास' के रचयिता कौन हैं?

- (A) देव (B) भूषण
(C) चिन्तामणि (D) सेनापति

उत्तर: (A) देव

व्याख्या: रीतिकाल के प्रसिद्ध आचार्य-कवि देव (देवदत्त) ने 'भावविलास', 'भवानीविलास', 'सुजानविनोद' आदि ग्रन्थों की रचना की।

17. 'कवित्त रत्नाकर' किस ऋतु-वर्णन के अद्वितीय कवि की रचना है?

- (A) सेनापति (B) पद्माकर
(C) बोधा (D) ठाकुर

उत्तर: (A) सेनापति

व्याख्या: प्रकृति और षट्ऋतु-वर्णन के लिए विख्यात सेनापति का प्रसिद्ध ग्रन्थ 'कवित्त रत्नाकर' (1649 ई.) है।

18. 'जगतविनोद' ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?

- (A) पद्माकर (B) मतिराम
(C) भूषण (D) रसलीन

उत्तर: (A) पद्माकर

व्याख्या: रीतिकाल के अन्तिम प्रसिद्ध आचार्य पद्माकर भट्ट ने जयपुर नरेश जगतसिंह के आश्रय में 'जगतविनोद' रचा।

19. 'अंगदर्पण' किसकी प्रसिद्ध रचना है?

- (A) रसलीन (B) मुबारक
(C) आलम (D) तोष कवि

उत्तर: (A) रसलीन

व्याख्या: 'अमी हलाहल मदभरे...' प्रसिद्ध दोहा रसलीन (सैयद गुलाम नबी) के इसी ग्रन्थ 'अंगदर्पण' (1737 ई.) से है।

20. 'कविवचन सुधा' के बाद भारतेन्दु ने स्त्रियों के लिए विशेष रूप से कौन-सी पत्रिका निकाली?

- (A) बालबोधिनी (B) हरिश्चन्द्र चन्द्रिका
(C) आनन्द कादम्बिनी (D) नागरी नीरद

उत्तर: (A) बालबोधिनी

व्याख्या: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने 1874 ई. में स्त्री-शिक्षा और जागरण को समर्पित 'बालबोधिनी' पत्रिका प्रारम्भ की।

21. 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' प्रयाग की स्थापना किस वर्ष हुई थी?

- (A) 1893 ई. (B) 1900 ई.
(C) 1910 ई. (D) 1918 ई.

उत्तर: (C) 1910 ई.

व्याख्या: हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग की स्थापना 1910 ई. में हुई, जिसके प्रथम सभापति पण्डित मदनमोहन मालवीय थे।

22. 'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' की स्थापना किस वर्ष हुई थी?

- (A) 1893 ई. (B) 1885 ई.
(C) 1902 ई. (D) 1915 ई.

उत्तर: (A) 1893 ई.

व्याख्या: 16 जुलाई 1893 को श्यामसुन्दर दास, रामनारायण मिश्र और शिवकुमार सिंह ने काशी नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना की।

23. 'वैदेही वनवास' प्रबन्धकाव्य के रचयिता कौन हैं?

- (A) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) रामनरेश त्रिपाठी (D) सियारामशरण गुप्त

उत्तर: (A) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

व्याख्या: सीता-निर्वासन की कारुणिक कथा पर आधारित 'वैदेही वनवास' (1940 ई.) हरिऔध जी का प्रसिद्ध प्रबन्धकाव्य है।

24. 'मिलन', 'पथिक' और 'स्वप्न' खण्डकाव्यों के रचयिता कौन हैं?

- (A) रामनरेश त्रिपाठी (B) श्रीधर पाठक
(C) सोहनलाल द्विवेदी (D) मैथिलीशरण गुप्त

उत्तर: (A) रामनरेश त्रिपाठी

व्याख्या: द्विवेदी युगीन स्वच्छन्दतावादी कवि रामनरेश त्रिपाठी ने 'मिलन' (1918), 'पथिक' (1920) और 'स्वप्न' (1929) की रचना की।

25. 'कानन कुसुम' और 'चित्राधार' किसकी प्रारम्भिक रचनाएँ हैं?

- (A) जयशंकर प्रसाद (B) सुमित्रानन्दन पंत
(C) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (D) महादेवी वर्मा

उत्तर: (A) जयशंकर प्रसाद

व्याख्या: जयशंकर प्रसाद की प्रारम्भिक ब्रजभाषा और खड़ीबोली रचनाएँ 'चित्राधार' और 'कानन कुसुम' में संकलित हैं।

26. 'परिमल' और 'गीतिका' काव्य-संग्रहों के रचयिता कौन हैं?

- (A) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (B) महादेवी वर्मा
(C) सुमित्रानन्दन पंत (D) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

उत्तर: (A) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

व्याख्या: 'परिमल' (1930 ई.) और 'गीतिका' (1936 ई.) महाप्राण निराला के कालजयी काव्य-संग्रह हैं।

27. 'युगान्त' और 'युगवाणी' में पंत जी किस काव्यधारा की ओर अग्रसर हुए?

- (A) रहस्यवाद (B) प्रगतिवाद
(C) प्रयोगवाद (D) नवगीत

उत्तर: (B) प्रगतिवाद

व्याख्या: 'युगान्त' (1936 ई.) द्वारा छायावाद के अन्त की घोषणा करते हुए पंत जी 'युगवाणी' और 'ग्राम्या' में प्रगतिवाद से जुड़े।

28. 'सांध्यगीत' और 'दीपशिखा' काव्य-कृतियों की रचयित्री कौन हैं?

- (A) सुभद्राकुमारी चौहान (B) महादेवी वर्मा
(C) उषा देवी मित्रा (D) शिवानी

उत्तर: (B) महादेवी वर्मा

व्याख्या: 'सांध्यगीत' (1936) और 'दीपशिखा' (1942) छायावाद की शीर्ष कवयित्री महादेवी वर्मा की रचनाएँ हैं।

29. 'नागार्जुन' का वास्तविक नाम क्या था?

- (A) वैद्यनाथ मिश्र (B) केदारनाथ मिश्र
(C) त्रिलोचन शास्त्री (D) वासुदेव सिंह

उत्तर: (A) वैद्यनाथ मिश्र

व्याख्या: जनकवि नागार्जुन का मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र था। वे मैथिली में 'यात्री' उपनाम से लिखते थे।

30. 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (A) 1949 ई. (B) 1951 ई.
(C) 1957 ई. (D) 1959 ई.

उत्तर: (B) 1951 ई.

व्याख्या: अज्ञेय जी द्वारा सम्पादित 'दूसरा सप्तक' 1951 ई. में प्रकाशित हुआ (तीसरा सप्तक 1959 ई. में)।

31. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र कृत 'वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति' किस श्रेणी का रूपक है?

- (A) प्रहसन (B) नाटिका
(C) भाण (D) व्यायोग

उत्तर: (A) प्रहसन

व्याख्या: यह 1873 ई. में रचित प्रहसन है जिसमें धर्म के नाम पर पशु-बलि और मांसाहार का पाखण्ड उजागर किया गया है।

32. 'सिन्दूर की होली' नाटक के रचयिता कौन हैं?

- (A) लक्ष्मीनारायण मिश्र (B) लक्ष्मीनारायण लाल
(C) हरेकृष्ण प्रेमी (D) गोविन्द वल्लभ पन्त

उत्तर: (A) लक्ष्मीनारायण मिश्र

व्याख्या: समस्या नाटकों के प्रवर्तक लक्ष्मीनारायण मिश्र ने 1934 ई. में प्रसिद्ध नाटक 'सिन्दूर की होली' लिखा।

33. 'पहला राजा' नाटक के लेखक कौन हैं?

- (A) मोहन राकेश (B) जगदीशचन्द्र माथुर
(C) धर्मवीर भारती (D) भीष्म साहनी

उत्तर: (B) जगदीशचन्द्र माथुर

व्याख्या: पौराणिक पृष्ठभूमि पर आधुनिक नेहरू-युगीन शासन व्यवस्था का रूपक 'पहला राजा' (1969 ई.) जगदीशचन्द्र माथुर का नाटक है।

34. 'कबीरा खड़ा बाज़ार में' के अतिरिक्त भीष्म साहनी का कौन-सा नाटक प्रसिद्ध है?

- (A) हानुश (B) मादा कैक्टस
(C) कोर्ट मार्शल (D) सेतुबन्ध

उत्तर: (A) हानुश

व्याख्या: 'हानुश' (1977 ई.) भीष्म साहनी का चेकोस्लोवाकिया की लोककथा पर आधारित ऐतिहासिक नाटक है।

35. प्रेमचन्द का वह कौन-सा उपन्यास है जिसमें कृषक जीवन की महागाथा प्रस्तुत हुई है?

- (A) रंगभूमि (B) कर्मभूमि
(C) गबन (D) गोदान

उत्तर: (D) गोदान

व्याख्या: 1936 ई. में प्रकाशित 'गोदान' भारतीय कृषक जीवन का अमर महाकाव्यात्मक यथार्थवादी उपन्यास है।

36. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के अतिरिक्त हजारी प्रसाद द्विवेदी का कौन-सा उपन्यास बौद्ध-तांत्रिक पृष्ठभूमि पर है?

- (A) पुनर्नवा (B) चारु चन्द्रलेख
(C) अनामदास का पोथा (D) बाणभट्ट की आत्मकथा

उत्तर: (B) चारु चन्द्रलेख

व्याख्या: 'चारु चन्द्रलेख' (1963 ई.) में 12वीं-13वीं शती के तान्त्रिक सिद्धों और गहड़वाल काल की कथा वर्णित है।

37. 'बूंद और समुद्र' उपन्यास के लेखक कौन हैं?

- (A) अमृतलाल नागर (B) भगवतीचरण वर्मा
(C) यशपाल (D) इलाचन्द्र जोशी

उत्तर: (A) अमृतलाल नागर

व्याख्या: लखनऊ के चौक की पृष्ठभूमि पर व्यक्ति और समाज के सम्बन्ध को दर्शाता 'बूंद और समुद्र' (1956 ई.) अमृतलाल नागर का उपन्यास है।

38. 'चित्रलेखा' उपन्यास किस दार्शनिक प्रश्न (पाप और पुण्य) पर आधारित है?

- (A) भगवतीचरण वर्मा (B) जैनेन्द्र
(C) चतुरसेन शास्त्री (D) अज्ञेय

उत्तर: (A) भगवतीचरण वर्मा

व्याख्या: 1934 ई. में प्रकाशित 'चित्रलेखा' में भगवतीचरण वर्मा ने पाप-पुण्य की सापेक्षता की दार्शनिक मीमांसा की है।

39. प्रेमचन्द की प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' का प्रकाशन किस पत्रिका में हुआ था?

- (A) सरस्वती (1916 ई.) (B) हंस (1930 ई.)
(C) माधुरी (1922 ई.) (D) मर्यादा (1915 ई.)

उत्तर: (A) सरस्वती (1916 ई.)

व्याख्या: प्रेमचन्द की हिन्दी में प्रथम प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' 1916 ई. में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी सम्पादित 'सरस्वती' में छपी थी।

40. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के रचयिता कौन हैं?

- (A) प्रेमचन्द (B) जयशंकर प्रसाद
(C) सुदर्शन (D) वृन्दावनलाल वर्मा

उत्तर: (A) प्रेमचन्द

व्याख्या: लखनऊ के नवाब वाजिद अली शाह के समय सामन्ती पतन को रेखांकित करने वाली कहानी 'शतरंज के खिलाड़ी' प्रेमचन्द की है।

41. 'आकाशदीप' कहानी की मुख्य पात्र चम्पा का सम्बन्ध किससे है?

- (A) बुद्धगुप्त (B) मधुआ
(C) अरुण (D) नन्द

उत्तर: (A) बुद्धगुप्त

व्याख्या: जयशंकर प्रसाद की ऐतिहासिक-रोमांटिक कहानी 'आकाशदीप' के अमर पात्र चम्पा और जलदस्यु बुद्धगुप्त हैं।

42. 'तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम' कहानी के रचयिता कौन हैं?

- (A) फणीश्वरनाथ रेणु (B) मार्कण्डेय
(C) शिवप्रसाद सिंह (D) शेखर जोशी

उत्तर: (A) फणीश्वरनाथ रेणु

व्याख्या: हीरामन और हीराबाई के आत्मीय सम्बन्धों को उजागर करने वाली आंचलिक कहानी 'तीसरी कसम' रेणु जी की है।

43. 'श्रद्धा और भक्ति' तथा 'उत्साह' निबन्ध आचार्य शुक्ल के किस संग्रह में हैं?

- (A) चिन्तामणि (B) रस मीमांसा
(C) त्रिवेणी (D) विचार प्रवाह

उत्तर: (A) चिन्तामणि

व्याख्या: आचार्य शुक्ल के मनोविकार सम्बन्धी प्रसिद्ध निबन्ध 'चिन्तामणि भाग-1' में संकलित हैं।

44. 'गेहूँ बनाम गुलाब' ललित निबन्ध के लेखक कौन हैं?

- (A) रामवृक्ष बेनीपुरी (B) विद्यानिवास मिश्र
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) सरदार पूर्ण सिंह

उत्तर: (A) रामवृक्ष बेनीपुरी

व्याख्या: भौतिक आवश्यकता (गेहूँ) और सांस्कृतिक सौन्दर्य (गुलाब) के द्वन्द्व को दर्शाने वाला यह निबन्ध रामवृक्ष बेनीपुरी का है।

45. 'आचरण की सभ्यता' निबन्ध के लेखक कौन हैं?

- (A) सरदार पूर्ण सिंह (B) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
(C) माधवप्रसाद मिश्र (D) पद्मसिंह शर्मा

उत्तर: (A) सरदार पूर्ण सिंह

व्याख्या: द्विवेदी युग के प्रसिद्ध निबन्धकार अध्यापक पूर्ण सिंह ने 'आचरण की सभ्यता', 'मजदूरी और प्रेम' आदि निबन्ध लिखे।

46. 'प्रिया नीलकण्ठी' और 'रस आखेटक' निबन्ध-संग्रहों के रचयिता कौन हैं?

- (A) कुबेरनाथ राय (B) विद्यानिवास मिश्र
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) धर्मवीर भारती

उत्तर: (A) कुबेरनाथ राय

व्याख्या: रसवादी ललित निबन्धकार कुबेरनाथ राय के प्रमुख संग्रह 'प्रिया नीलकण्ठी' (1968 ई.) और 'रस आखेटक' हैं।

47. 'छायावाद' नामक आलोचनात्मक ग्रन्थ के लेखक कौन हैं?

- (A) डॉ. नामवर सिंह (B) नन्ददुलारे वाजपेयी
(C) डॉ. नगेन्द्र (D) रामविलास शर्मा

उत्तर: (A) डॉ. नामवर सिंह

व्याख्या: 'छायावाद' (1955 ई.) तथा 'कविता के नये प्रतिमान' डॉ. नामवर सिंह की प्रसिद्ध समीक्षा पुस्तकें हैं।

48. 'अतीत के चलचित्र' और 'स्मृति की रेखाएँ' रेखाचित्र-संग्रह किसकी कृतियाँ हैं?

- (A) महादेवी वर्मा (B) सुभद्राकुमारी चौहान
(C) शिवरानी देवी (D) मैत्रेयी पुष्पा

उत्तर: (A) महादेवी वर्मा

व्याख्या: समाज के उपेक्षित, दीन-दुखी पात्रों (रामा, घीसा, भक्तिन आदि) के संस्मरण-रेखाचित्र महादेवी जी ने इनमें उकेरे हैं।

49. 'निराला की साहित्य साधना' (तीन खण्डों में) जीवनी के लेखक कौन हैं?

- (A) डॉ. रामविलास शर्मा (B) शिवदान सिंह चौहान
(C) अमृतराय (D) दूधनाथ सिंह

उत्तर: (A) डॉ. रामविलास शर्मा

व्याख्या: महाप्राण निराला के सम्पूर्ण जीवन और कृतित्व पर रामविलास शर्मा ने यह कालजयी जीवनी लिखी जिसके लिए साहित्य अकादेमी पुरस्कार मिला।

50. 'एक बूंद सहसा उछली' किस विधा की रचना है और इसके लेखक कौन हैं?

- (A) यात्रा-वृत्तान्त - अज्ञेय (B) निबन्ध - अज्ञेय
(C) संस्मरण - राहुल सांकृत्यायन (D) उपन्यास - मोहन राकेश

उत्तर: (A) यात्रा-वृत्तान्त - अज्ञेय

व्याख्या: 'एक बूंद सहसा उछली' (1960 ई.) अज्ञेय जी की विदेश (यूरोप) यात्रा पर आधारित प्रसिद्ध यात्रा-वृत्तान्त पुस्तक है।

51. 'शब्दार्थो सहितौ काव्यम्' (शब्द और अर्थ का सहभाव ही काव्य है) काव्य लक्षण के प्रणेता कौन हैं?

- (A) भामह (B) दण्डी
(C) वामन (D) रुद्रट

उत्तर: (A) भामह

व्याख्या: अलंकार सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य भामह ने अपने ग्रन्थ 'काव्यालंकार' में यह लक्षण दिया।

52. 'शरीरं तावदिष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली' काव्य-परिभाषा किस आचार्य की है?

- (A) दण्डी (B) मम्मट
(C) जगन्नाथ (D) आनन्दवर्धन

उत्तर: (A) दण्डी

व्याख्या: 'काव्यादर्श' के रचयिता आचार्य दण्डी ने इष्ट अर्थ से युक्त पदावली को काव्य का शरीर माना है।

53. 'रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' काव्य लक्षण किस आचार्य का है?

- (A) पण्डितराज जगन्नाथ (B) विश्वनाथ
(C) मम्मट (D) कुन्तक

उत्तर: (A) पण्डितराज जगन्नाथ

व्याख्या: 'रसगंगाधर' के रचयिता 17वीं शती के पण्डितराज जगन्नाथ ने यह सर्वप्रसिद्ध काव्य-लक्षण दिया।

54. रस सम्प्रदाय के मूल प्रतिष्ठापक आचार्य कौन माने जाते हैं?

- (A) भरतमुनि (B) अभिनवगुप्त
(C) भट्ट लोलट (D) शंकुक

उत्तर: (A) भरतमुनि

व्याख्या: ईसा पूर्व दूसरी शती के आचार्य भरतमुनि ने अपने ग्रन्थ 'नाट्यशास्त्र' में रस सिद्धान्त की सर्वप्रथम सांगोपांग प्रतिष्ठा की।

55. भरतमुनि के रससूत्र के प्रथम व्याख्याता आचार्य कौन थे जिन्होंने 'उत्पत्तिवाद' का प्रतिपादन किया?

- (A) भट्ट लोलट (B) शंकुक
(C) भट्ट नायक (D) अभिनवगुप्त

उत्तर: (A) भट्ट लोलट

व्याख्या: रससूत्र के प्रथम व्याख्याता मीमांसक भट्ट लोलट थे जिनका मत 'उत्पत्तिवाद' या 'उपचयवाद' कहलाता है।

56. साधारणीकरण सिद्धान्त के प्रथम प्रयोक्ता आचार्य कौन माने जाते हैं?

- (A) भट्ट नायक (B) अभिनवगुप्त
(C) आनन्दवर्धन (D) रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर: (A) भट्ट नायक

व्याख्या: भट्ट नायक ने 'भुक्तिवाद' के विवेचन में सर्वप्रथम साधारणीकरण (भावकत्व व्यापार) की संकल्पना प्रस्तुत की।

57. रौद्र रस का स्थायी भाव क्या है?

- (A) क्रोध (B) भय
(C) उत्साह (D) शोक

उत्तर: (A) क्रोध

व्याख्या: रौद्र रस का स्थायी भाव 'क्रोध' होता है।

58. भयानक रस का स्थायी भाव क्या है?

- (A) भय (B) जुगुप्सा
(C) विस्मय (D) क्रोध

उत्तर: (A) भय

व्याख्या: भयानक रस का स्थायी भाव 'भय' होता है।

59. बीभत्स रस का स्थायी भाव क्या है?

- (A) जुगुप्सा (घृणा) (B) शोक
(C) निर्वेद (D) क्रोध

उत्तर: (A) जुगुप्सा (घृणा)

व्याख्या: बीभत्स रस का स्थायी भाव 'जुगुप्सा' या घृणा होता है।

60. 'व्यञ्जना' शब्द-शक्ति से प्राप्त होने वाले अर्थ को क्या कहा जाता है?

- (A) व्यंग्यार्थ (B) वाच्यार्थ
(C) लक्ष्यार्थ (D) मुख्यार्थ

उत्तर: (A) व्यंग्यार्थ

व्याख्या: व्यञ्जना शब्द-शक्ति से प्रगट होने वाले गूढ़ एवं ध्वनित अर्थ को व्यंग्यार्थ या ध्वन्यर्थ कहते हैं।

61. 'चरण कमल बन्दौ हरि राई' में कौन-सा अलंकार है?

- (A) रूपक (B) उपमा
(C) उत्प्रेक्षा (D) यमक

उत्तर: (A) रूपक

व्याख्या: यहाँ चरणों पर कमल का अभेद आरोप किया गया है, अतः रूपक अलंकार है।

62. 'पीपर पात सरिस मन डोला' में 'मन' क्या है?

- (A) उपमेय (B) उपमान
(C) वाचक शब्द (D) साधारण धर्म

उत्तर: (A) उपमेय

व्याख्या: जिसकी तुलना की जाए वह उपमेय होता है; यहाँ 'मन' उपमेय है और 'पीपर पात' उपमान है।

63. दोहा के विषम (पहले व तीसरे) चरणों में 13-13 तथा सम (दूसरे व चौथे) चरणों में कितनी मात्राएँ होती हैं?

- (A) 11-11 (B) 12-12
(C) 13-13 (D) 14-14

उत्तर: (A) 11-11

व्याख्या: दोहा एक अर्धसम मात्रिक छन्द है जिसके विषम चरणों में 13 तथा सम चरणों में 11 मात्राएँ होती हैं।

64. 'भोजपुरी', 'मगही' और 'मैथिली' किस उपभाषा वर्ग के अंतर्गत आती हैं?

- (A) बिहारी हिन्दी (B) पूर्वी हिन्दी
(C) पश्चिमी हिन्दी (D) राजस्थानी हिन्दी

उत्तर: (A) बिहारी हिन्दी

व्याख्या: मागधी अपभ्रंश से विकसित बिहारी हिन्दी उपभाषा वर्ग की तीन प्रमुख बोलियाँ भोजपुरी, मगही और मैथिली हैं।

65. 'ब्रजभाषा', 'कन्नौजी' और 'बुन्देली' किस उपभाषा वर्ग की बोलियाँ हैं?

- (A) पश्चिमी हिन्दी (B) पूर्वी हिन्दी
(C) पहाड़ी हिन्दी (D) बिहारी हिन्दी

उत्तर: (A) पश्चिमी हिन्दी

व्याख्या: शौरसेनी अपभ्रंश से विकसित पश्चिमी हिन्दी के अंतर्गत खड़ीबोली, ब्रजभाषा, हरियाणवी, बुन्देली और कन्नौजी आती हैं।

66. हिन्दी वर्णमाला में 'क्ष, त्र, ज्ञ, श्र' किस प्रकार के वर्ण हैं?

- (A) संयुक्त व्यंजन (B) स्पर्श व्यंजन
(C) अन्तस्थ व्यंजन (D) ऊष्म व्यंजन

उत्तर: (A) संयुक्त व्यंजन

व्याख्या: दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बनने के कारण इन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं (क्+ष्=क्ष, त्+र्=त्र, ज्+ञ=ज्ञ, श्+र्=श्र)।

67. 'श, ष, स, ह' किस वर्ग के व्यंजन हैं?

- (A) ऊष्म (संघर्षी) व्यंजन (B) अन्तस्थ
(C) नासिक्य (D) उत्क्षिप्त

उत्तर: (A) ऊष्म (संघर्षी) व्यंजन

व्याख्या: इनके उच्चारण में वायु मुख के अवयवों से घर्षण खाकर ऊष्मा पैदा करती है, अतः इन्हें ऊष्म या संघर्षी व्यंजन कहते हैं।

68. 'महोत्सव' का सही सन्धि-विच्छेद क्या होगा?

- (A) महा + उत्सव (B) महो + उत्सव
(C) महा + ओत्सव (D) महि + उत्सव

उत्तर: (A) महा + उत्सव

व्याख्या: आ + उ = ओ (गुण स्वर सन्धि), अतः महा + उत्सव = महोत्सव।

69. 'निस् + छल' या 'नि: + छल' का सन्धि रूप क्या होगा?

- (A) निश्छल (B) निस्छल
(C) निष्छल (D) निछल

उत्तर: (A) निश्छल

व्याख्या: विसर्ग के बाद च् या छ आने पर विसर्ग 'श्' (तालव्य) में बदल जाता है, अतः नि: + छल = निश्छल।

70. 'त्रिनेत्र' में कौन-सा समास है यदि इसका विग्रह 'तीन नेत्र हैं जिसके अर्थात् शिव' किया जाए?

- (A) बहुव्रीहि (B) द्विगु
(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

उत्तर: (A) बहुव्रीहि

व्याख्या: तीन नेत्रों के समाहार के रूप में द्विगु हो सकता है, किन्तु रूढ़ विशेष अर्थ (भगवान शिव) में बहुव्रीहि समास प्रधान होता है।

71. 'माता-पिता' और 'रात-दिन' में कौन-सा समास है?

- (A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) कर्मधारय (D) अव्ययीभाव

उत्तर: (A) द्वन्द्व

व्याख्या: जिस समास में दोनों पद प्रधान हों और बीच में 'और' योजक का लोप हो, उसे द्वन्द्व समास कहते हैं।

72. 'वह कलम से पत्र लिखता है' वाक्य में 'कलम से' में कौन-सा कारक है?

- (A) करण कारक (B) कर्ता कारक
(C) अपादान कारक (D) कर्म कारक

उत्तर: (A) करण कारक

व्याख्या: क्रिया को करने में जो साधन या माध्यम बनता है, उसमें करण कारक (तृतीया विभक्ति) होता है।

73. 'गरिमा' का विलोम शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (A) लघिमा (B) नीचता
(C) दुर्बलता (D) अणिमा

उत्तर: (A) लघिमा

व्याख्या: गुरु से गरिमा और लघु से लघिमा बनता है, अतः 'गरिमा' का विलोम 'लघिमा' है।

74. 'अनुराग' का विलोम शब्द क्या होगा?

- (A) विराग (B) राग
(C) द्वेष (D) क्रोध

उत्तर: (A) विराग

व्याख्या: अनुराग (प्रेम/आसक्ति) का विलोम 'विराग' (उदासीनता/आसक्ति-हीनता) होता है।

75. 'शशांक' निम्नलिखित में से किसका पर्यायवाची शब्द है?

- (A) चन्द्रमा (B) सूर्य
(C) तारा (D) बादल

उत्तर: (A) चन्द्रमा

व्याख्या: शशांक, राकेश, सुधांशु, विधु, निशाकर सभी चन्द्रमा के पर्यायवाची हैं।

76. 'पावक' किसका पर्यायवाची शब्द है?

- (A) अग्नि (B) पवन
(C) जल (D) गगन

उत्तर: (A) अग्नि

व्याख्या: पावक, अनल, हुताशन, वह्नि सभी अग्नि (आग) के पर्यायवाची हैं।

77. 'अग्नि' का तद्भव 'आग' है, तो 'कर्पूर' का तद्भव क्या होगा?

- (A) कपूर (B) कपड़ा
(C) कपोत (D) कपाट

उत्तर: (A) कपूर

व्याख्या: तत्सम शब्द 'कर्पूर' का तद्भव रूप 'कपूर' होता है।

78. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन-सा है?

- (A) शृंगार (B) श्रृंगार
(C) श्रींगार (D) श्रृंगारिक

उत्तर: (A) शृंगार

व्याख्या: मानक देवनागरी वर्तनी में 'शृ' के साथ ऋ की मात्रा लगती है, 'श्रृ' अशुद्ध है।

79. 'दाँतों तले उँगली दबाना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?

- (A) आश्चर्यचकित (दंग) रह जाना (B) दर्द सहन करना
(C) भूख लगना (D) लज्जित होना

उत्तर: (A) आश्चर्यचकित (दंग) रह जाना

व्याख्या: अत्यधिक आश्चर्य या विस्मय में पड़ जाने पर 'दाँतों तले उँगली दबाना' मुहावरे का प्रयोग होता है।

80. 'नाच न जाने आँगन टेढ़ा' लोकोक्ति का सही अर्थ क्या है?

- (A) अपनी अयोग्यता छिपाने के लिए दूसरों या साधनों में दोष निकालना (B) आँगन खराब होना
(C) नृत्य कला न आना (D) बहाने बनाना

उत्तर: (A) अपनी अयोग्यता छिपाने के लिए दूसरों या साधनों में दोष निकालना

व्याख्या: जब कोई स्वयं काम करने में असमर्थ होता है और परिस्थिति अथवा साधन को दोष देता है।

81. 'रघुवंशम्' महाकाव्य में कुल कितने सर्ग हैं?

- (A) 17 (B) 19
(C) 22 (D) 15

उत्तर: (B) 19

व्याख्या: महाकवि कालिदास कृत प्रसिद्ध महाकाव्य 'रघुवंशम्' में कुल 19 सर्ग हैं जिसमें दिलीप से अग्निवर्ण तक के राजाओं का वर्णन है।

82. 'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य में कालिदास ने मूलतः कितने सर्गों की रचना की थी?

- (A) 8 सर्ग (B) 10 सर्ग
(C) 17 सर्ग (D) 12 सर्ग

उत्तर: (A) 8 सर्ग

व्याख्या: परम्परा और आचार्यों के अनुसार कालिदास रचित मूल ग्रन्थ 8 सर्गों का ही है, बाद के 9 सर्ग प्रक्षिप्त माने जाते हैं (कुल 17 सर्ग)।

83. 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य में कुल कितने सर्ग हैं?

- (A) 18 (B) 20
(C) 22 (D) 24

उत्तर: (B) 20

व्याख्या: महाकवि माघ की अमर कृति 'शिशुपालवधम्' में कुल 20 सर्ग हैं (किरातार्जुनीयम् में 18 तथा नैषध में 22)।

84. 'काव्यादर्श' नामक प्रसिद्ध संस्कृत काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?

- (A) दण्डी (B) भामह
(C) वामन (D) मम्मट

उत्तर: (A) दण्डी

व्याख्या: 'दशकुमारचरित' के प्रणेता महाकवि दण्डी का अलंकारशास्त्र विषयक ग्रन्थ 'काव्यादर्श' है।

85. 'मालतीमाधवम्' रूपक के किस भेद के अन्तर्गत आता है और इसके रचयिता कौन हैं?

- (A) प्रकरण - भवभूति (B) नाटक - कालिदास
(C) भाण - शूद्रक (D) प्रहसन - भास

उत्तर: (A) प्रकरण - भवभूति

व्याख्या: भवभूति कृत 10 अंकों का 'मालतीमाधवम्' शृंगार रस प्रधान रूपक के 'प्रकरण' भेद की श्रेष्ठ रचना है।

86. 'हर्षचरितम्' किस प्रकार का संस्कृत गद्यकाव्य है और इसके रचयिता कौन हैं?

- (A) आख्यायिका - बाणभट्ट (B) कथा - सुबन्धु
(C) नाटक - श्रीहर्ष (D) चम्पू - दण्डी

उत्तर: (A) आख्यायिका - बाणभट्ट

व्याख्या: सम्राट हर्षवर्धन के जीवन पर बाणभट्ट द्वारा रचित 'हर्षचरितम्' संस्कृत की प्रथम ऐतिहासिक 'आख्यायिका' है।

87. 'ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति' में 'तृणं' की कर्म संज्ञा किस सूत्र से हुई है?

- (A) तथायुक्तं चानीप्सितम् (B) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
(C) अकथितं च (D) कर्मणि द्वितीया

उत्तर: (A) तथायुक्तं चानीप्सितम्

व्याख्या: गाँव जाते हुए अनचाहे ही तिनके को छू लेना—अनिप्सित पदार्थ की कर्म संज्ञा 'तथायुक्तं चानीप्सितम्' सूत्र से होती है।

88. 'धनुषा विद्धः' में 'धनुषा' में तृतीया विभक्ति किस सूत्र से हुई है?

- (A) साधकतमं करणम्/कर्तृकरणयोस्तृतीया (B) येनाङ्गविकारः
(C) सहयुक्तेऽप्रधाने (D) हेतौ

उत्तर: (A) साधकतमं करणम्/कर्तृकरणयोस्तृतीया

व्याख्या: क्रिया की सिद्धि में जो सबसे अधिक सहायक साधन (करण) हो, उसमें 'कर्तृकरणयोस्तृतीया' सूत्र से तृतीया होती है।

89. 'गम्' (गच्छ्) धातु का लट् लकार प्रथम पुरुष एकवचन रूप क्या होता है?

- (A) गच्छति (B) गमिष्यति
(C) अगच्छत् (D) गच्छेत्

उत्तर: (A) गच्छति

व्याख्या: 'गम्' धातु के लट् लकार (वर्तमान काल) का रूप गच्छति, गच्छतः, गच्छन्ति चलता है।

90. 'सः पादेन खञ्जः अस्ति' का सही हिन्दी अनुवाद क्या है?

- (A) वह पैर से लँगड़ा है (B) वह पैर से चलता है
(C) वह पैर धोता है (D) वह पैर से गिर गया

उत्तर: (A) वह पैर से लँगड़ा है

व्याख्या: 'खञ्जः' का अर्थ लँगड़ा होता है; 'येनाङ्गविकारः' नियम से पादेन में तृतीया लगी है, अतः अनुवाद 'वह पैर से लँगड़ा है' होगा।

EXAM PATRA